रात्रि क्लास 18/12/68 ओम शान्ति शिवबाबा याद है?

अभी तुम बच्चों को सभी के ऑक्युपेशन का पता पड़ा है। भक्तिमार्ग में कोई के भी ऑक्युपेशन का पता नहीं है। एक्टर्स को ड्रामा के क्रियेटर, डायरैक्टर, मुख्य एक्टर्स का मालूम रहता है ना। मनुष्य होकर अगर न जाने तो इडीयट कहेंगे ना। अभी तुम समझकर, मनुष्य से देवता बनते हो। अभी तुम जानते हो हम इडीयट्स, बन्दर थे। इसी जन्म में बंदर थे फिर इसी जन्म में विश्व के मालिक बनने लायक बन रहे हैं। समझते हो हम बन्दर से भी बदतर ....। कहते हो ना तुम(तो) गदहे हो। कहते हैं ईश्वर सर्वव्यापी है। सर्वव्यापी का ज्ञान तो बिल्कुल ही जंगलीपना है। अभी समझते हो। अनेक प्रकार के मनुष्य हैं। कोई तो कहते हैं जिधर देखता हूँ राधे ही राधे। कृष्ण का पुजारी फिर कहेंगे कृष्ण ही कृष्ण। भक्तिमार्ग है ना। अनेक पूजा होती है। अभी तुम्हारी बुद्धि कहाँ जाती है। हम नई दुनिया में आवेंगे, कोई मंदिर न होगा। ज्ञान भी न होगा। ज्ञान है ही पुरानी दुनिया से नई दुनिया में जाने लिए। राजयोग है ना। राजा-रानी, डबल सिरताज यह ल॰ना॰ है ना; परन्तु समझते कुछ भी नहीं हैं। अम्बा-2 कहते रहते हैं। ल॰ को अम्बा नहीं कहेंगे। कितने नाम हैं। काली चण्डिका, अभी तुम बच्चे सभी कुछ भूलते हो, देह को भी भूलना है। भगवानुवाच है ना। गीता की इज्जत बहुत है। बहुत माताएँ भी गीता का अर्थ संस्कृत में बैठ सुनाती हैं। भिन्न-2 प्रकार के हैं। बनारस है अड्डा। वहाँ से ही टाइटल मिलते हैं। इसलिए बाबा ने भेजा था, घेराव करो विद्युत मंडली पर। अभी आते हैं, समझते हैं ठीक है, फिर बाहर निकले तो वैसे के वैसे ही बन जाते हैं। ख्याल करते हैं क्या करें। अगर कहें गीता शिव ने गाई है तो सभी कहेंगे यह कहाँ से सीखे हैं। बच्चे समझते हैं यह पढ़ाई है। एम-ऑबजेक्ट भी है; परन्तु याद की यात्रा में है मेहनत। माया विघ्न डालती है। और तरफ ख्याल गया माना माया आई। बाप एक है, माया के रूप ढेर हैं। बुद्धि जाने से माया खैंचती है। टाइम लगता है, जब हम कर्मातीत अवस्था को पहुँचेंगे। कल्प-कल्प पहुँचते हैं फिर लड़ाई लग जावेगी। तुम सतोप्रधान बनते हो तो तुम्हारे लिए नई दुनिया ज़रूर चाहिए। यह है एक लाइफ। फर्स्ट क्लास अमूल्य जीवन यह है। यह है ईश्वरीय नॉलेज। भगवान बैठ पढ़ाते हैं। तुम्हारी बुद्धि में आगे कृष्ण था। अभी तुम शिवबाबा को याद करते हो; परन्तु यह बुद्धि में बैठे, वह इतनी छोटी बिन्दी है, वह नहीं बैठता है। बड़ा समझ लेते हैं। भक्ति में भी बड़ा कर दिया है। कोई तो अच्छी रीत याद करते हैं मैं आत्मा हूँ। टेप भरा हुआ (है) अभी शरीर धारण किया हुआ है तो टेप चलता रहता है। ईश्वर का टेप यानी आत्मा सभी से छोटी है या कोई मनुष्य की आत्मा टेप छोटी होगी? उनकी है नॉलेज की एक्टीविटी। बाप नॉलेज सुनाते हैं ज़रूर रिक(र्ड) है। और कोई है जिनका बाप से भी कम रिकार्ड हो। (पीरियड छोटी होती है) यह सभी बातें तुम स.... हो समझते हो। मनुष्य बिचारे क्या जाने। तुम समझते हो परमात्मा है ऊँच ते ऊँच। उनमें ही सारी नॉलेज है। (उ)नको नॉलेज-फुल कहते हैं। तुम्हारी जो आत्मा है उनकी रिकॉर्ड पीरियड बड़ी है। पूरे 5000 वर्ष हैं, जो पग-2 आते हैं। मीठे-2 बच्चे अच्छी रीत बाप को याद करते हैं बैटरी चार्ज करते रहो; क्योंकि पूरी डिसचार्ज हु... है। फिर अभी तुमको ही युक्ति मिली है चार्ज करने की। जितनी धारणा होती है उतना ही सर्विस करते हैं। ब... बागवान है, माली भी साथ में है। बाप हरेक के धारणा को अच्छी रीत समझ सकते हैं; पर बतलाते नहीं। क... फंक न हो जाए। इस समय माताएँ जास्ती सर्विस करती हैं। माताओं को रिगार्ड देना है। पुरुष तो भक्तिमार्ग में शास्त्र आदि बहुत ही सुनाते हैं। रियल ज्ञान तो माताओं से मिलता है; इसलिए माताओं का नाम जास्ती है। एक धर्म की स्थापना करते हो, यह नशा रहना चाहिए। आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना हो रही है, वो आन्तरिक खुशी होनी चाहिए। जितना बाप को याद करेंगे पाप कटेंगे और खुशी बढ़ेगी। जो भी टाइम मिले यह प्रैक्टिस करनी है। बाप से हमको विश्व की बादशाही मिलती है। यही याद आती रहे तो बहुत भाग्यशाली हो। ज्ञान मान सरोबर में डुबका मारने से ज्ञान परी बन जावेंगे। एक तालाब है जिसके लिए वह कहते हैं। डुबका लगाने से मनुष्य परिजाद बन जाते हैं। रंगुन में भी एक तालाब है। अभी तुम बच्चे ज्ञान सरोबर में डुबका मार .... हो। अच्छा, बच्चों को गुडनाइट।